Acharya Shri Mahapragya Institute of Excellence
(Affiliated to MDS University, Ajmer and Approved by Govt. of Rajasthan)
Mahapragya Nagar, Asind, Bhilwara Ph.No.- 01480-221101, 221102, 221103
Web site: www.asmie.in Email. : asmie2012@gmail.com

LIST OF WORKSHOP / SEMINAR / CONFERENCE

S.No.	EVENT NAME	TYPE OF EVENT	DATE OF EVENT
1	UDYAMITA KARYASHALA	WORKSHOP	10.04.2019
2	FINANCIAL AWARENESS	SEMINAR	23.08.2019
3	INTELLECTUAL PROPERTY RIGHTS	WEBINAR	11.10.2021
4	FINACIAL AWARENESS PROGRAM	SEMINAR	27.11.2022
5	LIFE SKILL 7-DAY WORKSHOP	WORKSHOP	18.12.2022 TO 24.12.2022
6	WOMEN EMPOWERMENT (NALSA)	SEMINAR	10.03.2023
7	MDNC - 2023	CONFERENCE	18.03.2023
8	UDYAMITA EVM SWA-ROJGAR WORKSHOP	WORKSHOP	29.03.2023
9	NASHA MUKT BHARAT ABHIYAN WORKSHOP	WORKSHOP	24.04.2023
10	TSIT - 2023	WORKSHOP	14.05.2023

IQAC COORDINATOR
A.S.M.I.E..ASIND

PRINCIPAL
A.S.M.I.E..ASIND

Acharya Shri Mahapragya Institute of Excellence
(Affiliated to MDS University, Ajmer and Approved by Govt. of Rajasthan)
Mahapragya Nagar, Asind, Bhilwara Ph.No.- 01480-221101, 221102, 221103
Web site: www.asmie.in Email. : asmie2012@gmail.com

आचार्य श्री महाप्रज्ञ इंस्टिट्यूट ऑफ़ एक्सीलेंस आसींद में उद्यमिता कार्यशाला आयोजित

आसीन्द, 10 अप्रेल 2019 । महाप्रज्ञ कॉलेज आसींद में विद्यार्थियों में उद्यमिता जागरूकता हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया । कार्यशाला के मुख्य वक्ता डॉ. आर. सी. लोढ़ा ने सभी विद्यार्थियों को जीविकोपार्जन तथा उद्यमिता के विषय में बताया । डॉ. लोढ़ा ने अपने उद्बोधन में बी.ए. बी.एड., बी.एस.सी. बी.एड., बी. कॉम., बी. सी. ए. के विद्यार्थियों को बताया कि कैसे नवाचार के माध्यम से नये आयाम स्थापित किये जा सकते है, हम केवल नौकरी करके ही नहीं अपितु नए विचारों को उद्योग में स्थापित कर, उद्यमी बन सकते है, तथा रोजगार के अवसर उपलब्ध करा सकते है । उप-प्राचार्य संकर्षण पंडा ने अतिथि का आभार प्रकट किया । इस अवसर पर महाविद्यालय के सहायक आचार्य मदन लाल मारू, कन्हैया लाल टेलर, विनय शर्मा आदि सहायक आचार्य उपस्थित थे, संचालन अवधेश कुमार जौहरी ने किया ।

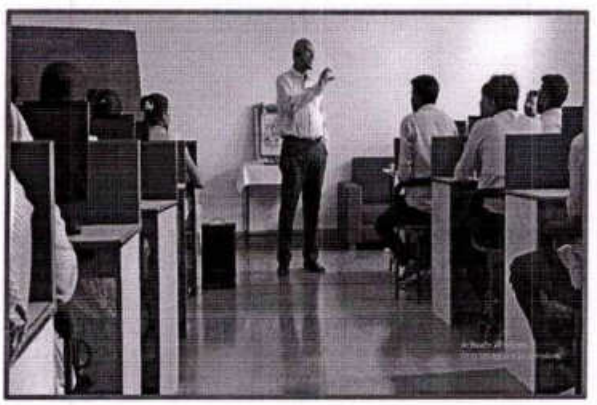

PRINCIPAL
A.S.M.I.E..ASIND

Acharya Shri Mahapragya Institute of Excellence

(Affiliated to MDS University, Ajmer and Approved by Govt. of Rajasthan)

Mahapragya Nagar, Asind (Bhilwara) Ph. 01480-221101, 221102, 221103

Website : www.asmie.in Email : asmie2012@gmail.com

23-08-2019

"सम्पर्क से सम्पदा सर्जन संभव है।" अभय, C.A.

आधुनिक युग में अधिकतम सम्पर्क ही आपकी वास्तविक संपदा है। व्यक्ति द्वारा अधिकतम लोगो से सम्पर्क कर अपने सम्बन्धों को मजबूत बनाकर ही सम्पदा का निर्माण किया जा सकता है। आज महाविद्यालय में प्रसिद्ध C.A., C.S., एडवोकेट श्री अभय चन्डालिया जी ने "सम्पर्क से सम्पदा सर्जन" विषय पर अपना प्रभावशाली उद्बोधन दिया। कार्यक्रम मे महाविद्यालय संस्थापक श्रीमान् रोशनलालजी संचेती, सचिव महोदया श्रीमती आशा संचेती, निदेशक महोदय R. K. जैन उपस्थित थे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० राजमल कोचेट्टाजी तथा उपाचार्य शंकरधन पण्डाजी के द्वारा प्रारम्भिक उद्बोधन दिया गया।

श्री अभय चन्डालियाजी जैन सोशल समूह, अखिल भारतीय तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम दिल्ली, तथा जीतो, से जुड़े हुए है। इसके साथ ही चन्डालियाजी C.A. व C.S. संस्था में भी अनेक पदों पर कार्यरत रहें है। श्रीचन्डालियाजी ने छात्रों से आग्रह किया कि वे अपने आप को किसी से कम न समझें तथा जागते हुए सपने देखकर अपने लक्ष्यों की प्राप्ति करें। इसके अतिरिक्त उन्होंने छात्रों से नियमित रूप से अपनी अंग्रेजी सुधारने और लोगों से अधिक से अधिक सम्पर्क कर अपना क्षेत्र बढ़ाने के साथ-2 चुनौतियों को अवसर में बदलने की तकनीक सिखाई। साथ ही सरल भाषा में सकारात्मक सोच व कठिन परिश्रम के माध्यम से अपनी सम्पदा को अधिकतम करने के तरीके भी छात्रों के साथ शेयर किए।

कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक श्री R. K. जैन ने संस्था की विभिन्न उपलब्धियों से मुख्य अथिति को अवगत कराते हुए संस्था द्वारा किए जा रहे विभिन्न प्रेरणादायी उपायों पर परिचर्चा की।

Acharya Shri Mahapragya Institute of Excellence

(Affiliated to MDS University, Ajmer and Approved by Govt. of Rajasthan)

Mahapragya Nagar, Asind (Bhilwara) Ph. 01480-221101, 221102, 221103

Website : www.asmie.in Email : asmie2012@gmail.com

श्रेष्ठ प्रबन्धन किसी भी क्षेत्र में सफलता हेतु नींव का पत्थर होता है। इस तथ्य को स्पष्ट करते हुए कार्यक्रम का संचालन शंकर्षण पण्डा ने किया तथा धन्यवाद की रस्म संस्थानसचिव महोदया श्रीमती आशा संचेती द्वारा अतिथियों को शाल व मोमेन्टो भेंट करके की गई। इस कार्यक्रम में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रश्नों के माध्यम से अपनी जिज्ञासा का समाधान पाया।

कार्यक्रम के सफल संचालन में B.Ed. विभाग प्रभारी श्रीमदन लाल सारण जी, नाथूलालजी सैन, वरिष्ठ संकाय सदस्यगण व समस्त संकाय सदस्यों की उपस्थिति रही।

Principal
ACHARYA SHRI MAHAPRAGYA
INSTITUTE OF EXCELLENCE
ASIND(BHILWARA) RAJ.

Acharya Shri Mahapragya Institute of Excellence
(Affiliated to MDS University, Ajmer and Approved by Govt. of Rajasthan)
Mahapragya Nagar, Asind, Bhilwara Ph.No.- 01480-221101, 221102, 221103
Web site: www.asmie.in Email. : asmie2012@gmail.com

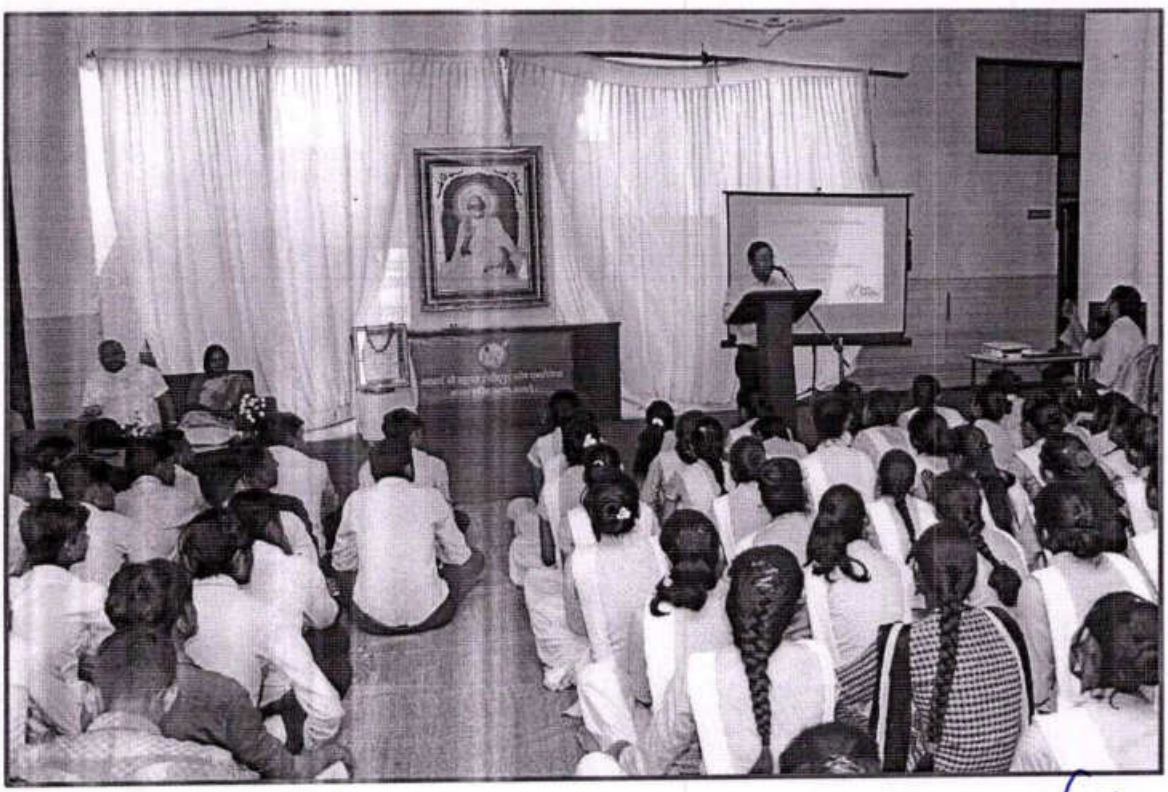

Principal
ACHARYA SHRI MAHAPRAGYA
INSTITUTE OF EXCELLENCE
ASIND(BHILWARA) RAJ.

Acharya Shri Mahapragya Institute of Excellence
(Affiliated to MDS University, Ajmer and Approved by Govt. of Rajasthan)
Mahapragya Nagar, Asind, Bhilwara Ph.No.- 01480-221101, 221102, 221103
Web site: www.asmie.in Email. : asmie2012@gmail.com

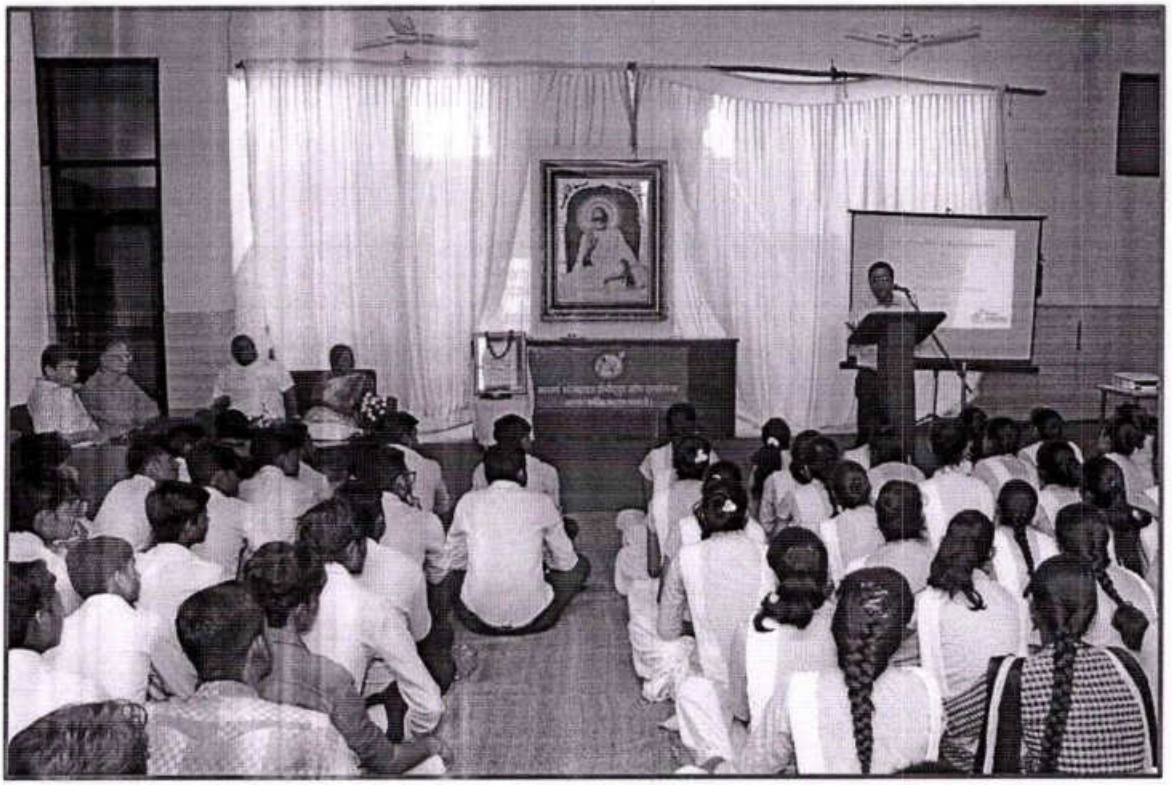

Principal
ACHARYA SHRI MAHAPRAGYA
INSTITUTE OF EXCELLENCE
ASIND(BHILWARA) RAJ.

महाप्रज्ञ कॉलेज आसीन्द में विद्यार्थी विकास कार्यक्रम का आयोजन

आचार्य श्री महाप्रज्ञ इंस्टीट्यूट ऑफ एक्सीलेंस आसींद में दिनांक 27 नवम्बर 2022 को छात्र विकास व वित्तीय जागरूकता कार्यक्रम विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री महेंद्र सिंगारिया ने की तथा मुख्य अतिथि महोदय डॉ. आर. सी. लोढ़ा उपस्थित थे।

डॉ. लोढ़ा ने महाविद्यालय के विद्यार्थियों को जीवन के तीन चरण - सीखना, कमाना और पुनः प्रदान करना के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। सीखने के चार चरण बताए - बुद्धि का उपयोग, बुद्धि का पुनः उपयोग, सीखने के तरीकों में परिवर्तन तथा ज्ञान का विकास। कार्यक्रम में महाविद्यालय आई क्यू ए सी संचालक श्री दीपक चौधरी तथा सह आचार्य राहुल सिंह, इरफान मोहम्मद, अवनिंद्र वासुकी, कविता यादव, यशपाल राठौड़, मनीषा सुथार, खुशबू छीपा, ने भी अपने विचार व्यक्त किए। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ संकर्षण पंडा ने मुख्य प्रवक्ता डॉ लोढ़ा का आभार व्यक्त किया तथा कार्यक्रम का संचालन सहायक आचार्य मुस्कान चौरड़ीया ने किया।

PRINCIPAL
A.S.M.I.E..ASIND

दिनांक 18/12/2022

प्रेस - नोट

आचार्य श्री महाप्रज्ञ इंस्टीट्यूट ऑफ एक्सीलेन्स आसीन्द में दिनांक 18/12/2022 को IQAC द्वारा आयोजित सात दिवसीय **जीवन कौशल विकास कार्यक्रम कार्यशाला** प्रारम्भ की गयी। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के विनय गीत-गायन से हुआ। सात दिवसीय कार्यशाला के तहत प्रथम दिवस में **छात्र जीवन में योग का महत्व** विषय पर योग-विज्ञान के जानकार **श्रीमती अर्चना जोशी** (योग, आयुर्वेद में डिप्लोमा, व्याख्याता-IIITDM जबलपुर) ने उपस्थित होकर विद्यार्थियों को योगाभ्यास करवाया। इस दौरान उन्होने विद्यार्थियों को योग का वास्तविक अर्थ बताया। योग का अर्थ है–जीवन के प्रति दृष्टिकोण में बदलाव, नकारात्मक विचारों को सकारात्मक विचारों में बदलना ही योग का वास्तविक अर्थ है। इसके साथ ही योग के आठ चरण–यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, ध्यान, धारणा एंव समाधि से विद्यार्थियों को अष्टांग योग अवगत कराया। योगाभ्यास में सुखासन में बैठकर ध्यान करवाया, जिससे शरीर में ऑक्सीजन का पूर्णतः सही संचार होता है। तत्पश्चात् सूक्ष्म व्यायाम, सूर्य नमस्कार, अनुलोम–विलोम प्राणायाम के अभ्यास के साथ–साथ स्वस्थ जीवन में इसके लाभ की विद्यार्थियों को जानकारी प्रदान की। इसके उपरान्त IQAC के प्रभारी डॉ संकर्षण पंडा के द्वारा अतिथियों का आभार प्रदान करने के पश्चात विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्र–गान कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

PRINCIPAL
A.S.M.I.E..ASIND

दिनांक 19/12/2022

प्रेस - नोट

आचार्य श्री महाप्रज्ञ इंस्टीट्यूट ऑफ एक्सीलेन्स आसीन्द में दिनांक 19/12/2022 को IQAC द्वारा आयोजित सात दिवसीय **जीवन कौशल विकास कार्यक्रम कार्यशाला** के तहत द्वितीय दिवस में **रोजगार कौशल और कोध प्रबंधन** विषय पर विचार प्रस्तुत किये गये। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के विनय गीत-गायन से हुआ। कोध्र प्रबंधन पर महाविद्यालय की सहायक आचार्य सुश्री अमृता आंचलियाँ ने अपना उद्‌बोधन दिया। इस दौरान उन्होने विद्यार्थियों को समझाया की कोध एक नैसर्गिक भावना है। कोध को हम समाप्त नही कर सकते है लेकिन इसे नियंत्रित किया जा सकता है। इसी के साथ कार्यशाला में रोजगार कौशल पर श्री घासी राम जाट (व्याख्याता भूगोल, रा.उ.मा.वि.बराणा) ने अपने विचार प्रस्तुत किये। इस दौरान उन्होने विद्यार्थियों को रोजगार के प्रारम्भिक चरण, रोजगार का विकास, रोजगार को सफल बनाने का सुझाव दिया। इसके उपरान्त IQAC के प्रभारी डॉ संकर्षण पंडा के द्वारा अतिथियों का आभार प्रदान करने के पश्चात विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्र–गान कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

श्री घासी राम जी जाट का आतिथ्य सत्कार

सुश्री अमृता आंचलिया का प्रशस्ति–पत्र द्वारा सम्मान

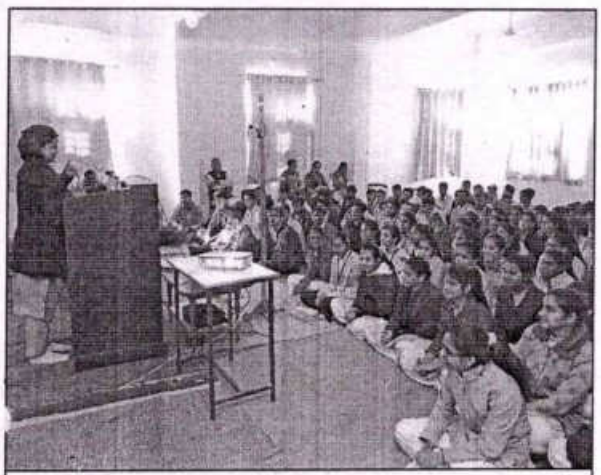

सुश्री अमृता आंचलिया द्वारा कोध प्रबंधन विषय पर वार्ता

श्री घासी राम जी रोजगार कौशल विषय पर विद्यार्थियों को सम्बोधित करते

PRINCIPAL
S.M.I.E.-ASIND.

दिनांक 20/12/2022

प्रेस - नोट

आचार्य श्री महाप्रज्ञ इंस्टीट्यूट ऑफ एक्सीलेन्स आसीन्द में चल रहे जीवन कौशल सप्ताह के तहत् आज दिनांक 20/12/2022 को वार्ताकार के रूप में श्री सुनील जैन एवं डॉ.पार्थिव जोशी ने कमशः तनाव प्रबंधन के व्यावहारिक समाधान एवं बेहतर जीवन शै ली विषयों पर अपनी ज्ञानपरक एवं अनुभवपरक वार्ताएँ प्रस्तुत कीं। वार्ता में वर्तमान समय की तनाव के प्रबंधन हेतु व्यावहारिक समाधान वे बिन्दुओं पर चर्चा की गई। मनः स्थिति और परिस्थिति में सामंजस्य का अभाव तनाव उत्पन्न करता है, मन में सकारात्मक विचार रखते हुए परिस्थितियों को अनुकूल बनाने का प्रयास, असफलता पर निराश न होकर प्रयासों में प्रभावशीलता तनाव से मुक्त रखते हैं। मन को भय व निराशा के भावों से दूर रखने का प्रयास करना चाहिये। डॉ. श्री पार्थिव जोशी ने नकारात्मक एवं सकरात्मक ऊर्जा का हस्तान्तरण किस प्रकार होता है,उसे एक लघु फिल्म के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से समझाया। साथ ही नकारात्मकता को मन –मस्तिष्क से दूर रखने के लिए करणीय प्रयासों पर प्रकाश डाला और सदैव सकारात्मक सोच एवं विचार बनाये रखने पर जोर दिया।

श्री सुनील जैन व्याख्याता महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय वार्ता प्रस्तुत करते हुए

डॉ.पार्थिव जोशी, प्राकृतिक चिकित्सक वार्ता प्रस्तुत करते हुए

सहायक प्राध्यापक श्री नाथू लाल सेन वार्ताकार श्री सुनील जैन का माल्यार्पण करते हुए

सहायक प्राध्यापक अमृता , श्री नाथू लाल सेन, श्री के. एल. टेलर डॉ.पार्थिव जोशी, को प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिह्न प्रदान

PRINCIPAL
A.S.M.I.E..ASIND

दिनांक 21/12/2022

प्रेस - नोट

आचार्य श्री महाप्रज्ञ इंस्टीट्यूट ऑफ एक्सीलेन्स आसीन्द में चल रहे जीवन कौशल सप्ताह के तहत् आज दिनांक 21/12/2022 को वार्ताकार के रूप में श्री सम्पत लाल टेलर, सेवा निवृत ब्लॉक शिक्षा अधिकारी ने **'Physical fitness and carrier'** विषय पर अनुभव परक व्यावहारिक वार्ता प्रस्तुत की। श्री टेलर ने सभी को अपनी दिनचर्या में प्रातःकालीन भ्रमण,योग, एवं प्राणायाम तथा संतुलित पौष्टिक आहार को सम्मिलित करने का सुझाव दिया। साथ ही श्री राकेश चेडवाल प्र.अ. हाथीसर, ने प्रभावशाली संचार कौशल विषय पर जीवनोपयोगी वार्ता प्रस्तुत की। तृतीय वार्ताकार के रूप में श्री राजेश खटीक प्रधानाध्यापक, सुलवाड़ा ने खुश रहने की कला विषय पर सार्थक वार्ता प्रस्तुत की ।

श्री सम्पत लाल टेलर सेवा निवृत ब्लॉक शिक्षा अधिकारी वार्ता प्रस्तत करते हए।

प्राचार्य श्री संकर्षण पंडा वार्ताकार श्री राकेश चेडवाल हाथीसर को स्मति चिहन प्रदान करते हए।

प्राचार्य श्री राजेश खटीक प्रधानाध्यापक, सुलवाड़ा को स्मृति चिह्न प्रदान करते हुए।

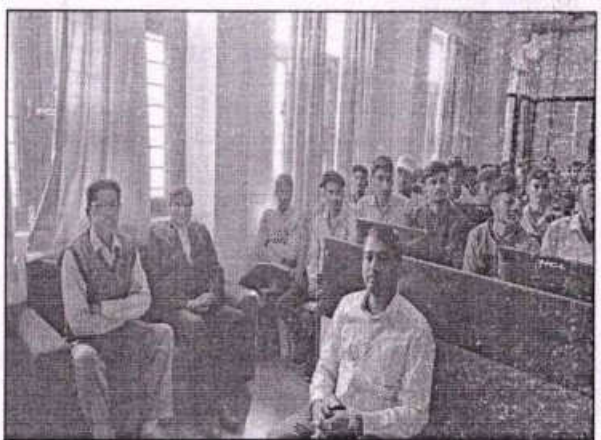

महाविद्यालय के विद्यार्थीगण वार्ता श्रवण करते हुए।

PRINCIPAL
A.S.M.I.E..ASIND

दिनांक 22/12/2022

प्रेस - नोट

श्री महाप्रज्ञ महाविद्यालय में जीवन कौशल सप्ताह में वार्ताओं का कम जारी है...

आचार्य श्री महाप्रज्ञ इंस्टीट्यूट ऑफ एक्सीलेन्स आसीन्द में दिनांक 18.12.2022 से चल रहे 'जीवन कौशल सप्ताह' में जीवन के व्यवहारिक पक्ष को सबल और कौशल पूर्ण बनाने के उद्देशय से आज 'समय प्रबंधन' विषय पर श्री दूदा राम जी ने प्रेरणास्पद वार्ता प्रस्तुत की। समय अमूल्य है, समय की हर छोटी इकाई को भी हम नष्ट न होने दें वरन् समय हमें नष्ट कर देता है। जल्दी सोना व जल्दी उठना,अधिक देर तक न सोना श्रेष्ठ जीवन के लिए करणीय कार्यों के लिए समयामान नहीं होने देता। द्वितीय वार्ताकार के रूप में सुश्री कविता यादव ने प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी विषय पर विद्यार्थियों के लिए अत्यन्त उपयोगी वार्ता प्रस्तुत की। तत्पश्चात राष्ट्रीय गणित दिवस के उपलक्ष्य में कतिपय विद्यार्थियों ने अपने विचार प्रकट किये। श्री रामानुजन के अभूतपूर्व योगदान के बारे में सोदाहरण वर्ता प्रस्तुत की गई।

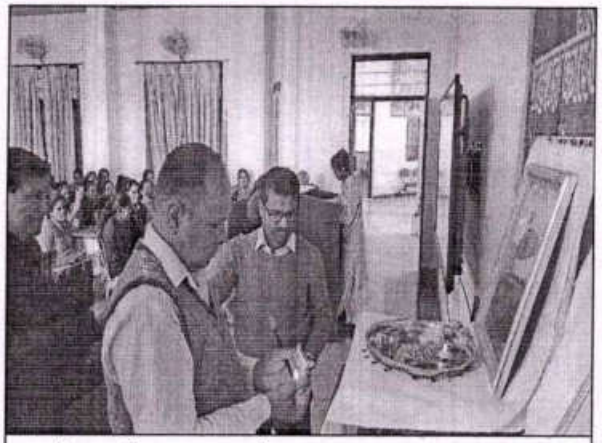

वार्ताकार श्री दूदा राम जी व्याख्याता रा. उ. मा. विद्यालय, नेगड़िया एवं प्राचार्य श्री पंडा सरस्वती पूजन

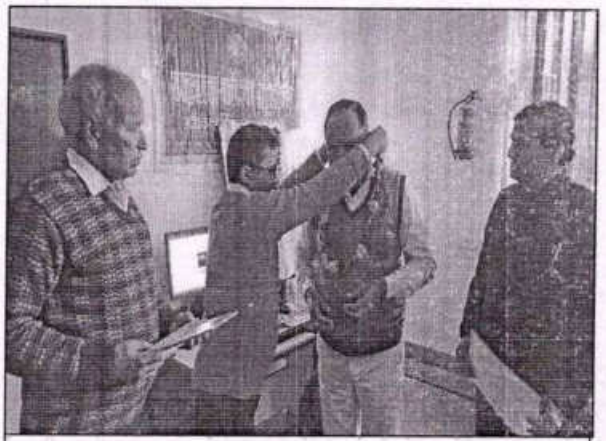

श्री K.L टेलर N.L सेन एंव प्राचार्य श्री संकर्षण पंडा वार्ताकार श्री दूदाराम का स्वागत करते हुए ।

वार्ताकार श्री दूदा राम जी व्याख्याता रा. उ. मा. विद्यालय, नेगड़िया वार्तापस्तुत करते हुए।

श्री K.L टेलर वार्ताकार श्री दूदाराम को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए।

PRINCIPAL
A.S.M.I.E..ASIND

दिनांक 23/12/2022

प्रेस - नोट

आचार्य श्री महाप्रज्ञ इंस्टीट्यूट ऑफ एक्सीलेन्स आसीन्द में दिनांक 18.12.2022 से चल रहे **'जीवन कौशल सप्ताह'** में आज दिनांक 23.12.2022 को श्री सम्पत शर्मा, संपादक श्रेष्ठ शिक्षा समाचार–पत्र ने **कम्प्यूटर प्रवीणता** विषय पर वार्ता प्रस्तुत की एवं विद्यार्थियों को कम्प्यूटर दक्षता से सम्बन्धित रोजगार पर चर्चा की। द्वितीय प्रवक्ता श्रीमती मीना प्रतिहार प्रधानाचार्य रा. उ. मा. विद्यालय, आसीन्द ने **शारीरिक स्वास्थ्य एवं करियर** विषय पर विद्यार्थियों को बताया कि कैसे हम स्वास्थ्य के प्रति सजग रहकर अपने करियर को सुदृढ़ बना सकते है क्योंकि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य डॉ. संकर्षण पण्डा ने अतिथियों का अभार व्यक्त किया, राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम समाप्त किया गया।

प्राचार्य डॉ. संकर्षण पंडा, व्याख्याता श्री नाथू लाल सेन, श्री कन्हैया लाल टेलर, प्रवक्ता श्री संपत शर्मा का सम्मान करते हुए।

श्री संपत शर्मा विद्यार्थियों को कंप्यूटर प्रवीणता विषय पर संबोधित करते हुए।

सहायक आचार्या सुश्री अमृता आंचलिया, श्रीमती मनीषा सुथार उद्घोषक श्रीमती मीना प्रतिहार को स्मृति चिह्न व प्रमाण-पत्र भेंट करते हुए।

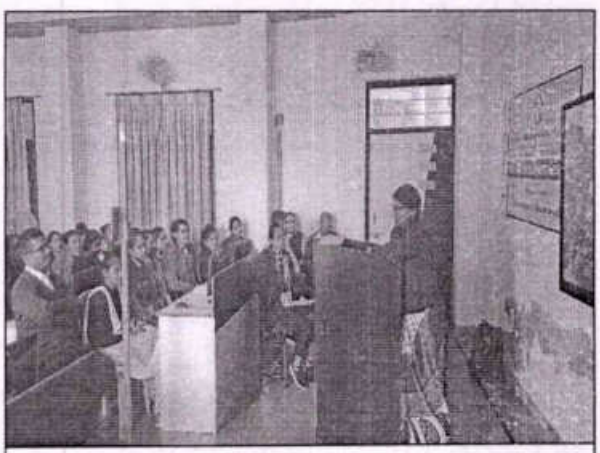

प्रधानाचार्य श्रीमती मीना प्रतिहार स्वास्थ्य व जीवन में करियर के प्रति जागरूक रहने के विषय में संबोधित करते हुए।

PRINCIPAL
A.S.M.I.E..ASIND

दिनांक 24/12/2022

प्रेस - नोट

आचार्य श्री महाप्रज्ञ इंस्टीट्यूट ऑफ एक्सीलेन्स आसीन्द में दिनांक 18.12.2022 से चल रहे 'जीवन कौशल सप्ताह' के अंतिम दिवस पर वार्ताकार के रूप में संगम यूनिवर्सिटी–भीलवाड़ा से डॉ अवनीत कुमार एवं डॉ विकास सोमानी ई लर्निंग एवं पावर पॉइंट इफेक्टिव प्रेजेन्टेशन विषयों पर वार्ताएँ प्रस्तुत की। ई लर्निंग के लिए उपलब्ध विविध साइट्स और उपलब्ध ऑनलाइन पाठ्यकमों तथा उनमें पंजीकरण कर वांछित पाठ्यकम के सम्बन्ध में उपयोगी जानकारी प्रस्तुत की। ऑनलाइन लर्निंग के विशिष्ट लाभों के बारे में अवगत कराया गया। Google scholor.com पर कई शोध पत्र व कई महत्वपूर्ण जानकारियाँ उपलब्ध हैं। My great learning.com पर पंजीकरण कर logout करना है फिर Columbus .....com पर बहुतसारी शिक्षण सामग्री उपलब्ध है। vidyamitra एक निशुल्क साइट है जिस पर कई पाठ्यकम उपलब्ध है। library genesis पर सभी प्रकार की पुस्तकें उपलब्ध हैं। पावर पांइट प्रेजेन्टेशन मन–मस्तिष्क पर मौखिक रूप से कही हुई बात की अपेक्षा अधिक प्रभावी होता है। इसके माध्यम से दिया गया ज्ञान सहजग्राह्य होता है। अच्छे ppt के गुणों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

प्राचार्य श्री संकर्षण पंडा, श्री दीपक चौधरी एवं श्री इरफान मौहम्मद वार्ताकार डॉ अवनीत कुमार एवं डॉ विकास सोमानी को स्मृति चिह्न भेंट करते हुए ।

वार्ताकार डॉ अवनीत कुमार सह आचार्य कंप्यूटर विज्ञान, संगम विश्वविद्यालय वार्ता प्रस्तत करते हए।

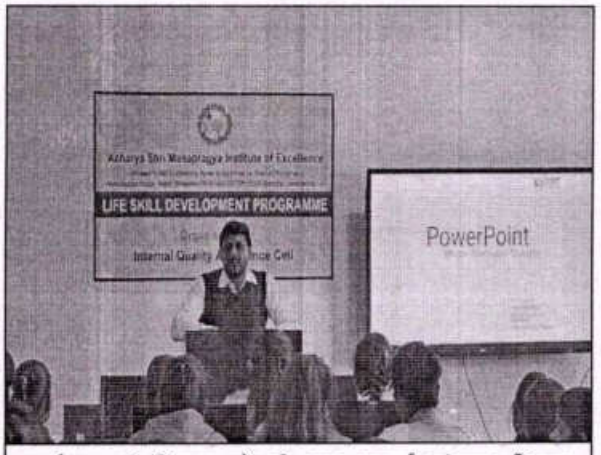

वार्ताकार डॉ विकास सोमानी सह आचार्य कंप्यूटर विज्ञान, संगम विश्वविद्यालय वार्ता प्रस्तत करते हए।

बी.ए.बी.एड. प्रथम वर्ष की छात्रा सुश्री पूजा व्यास जीवन कौशल सप्ताह का अनुभव साझा करते हुए।

PRINCIPAL
A.S.M.I.E..ASIND

महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण दिल्ली एवं राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा आयोजित **अंतर्राष्ट्रीय महिला सप्ताह 4 मार्च से 11 मार्च** कार्यक्रम के अंतर्गत **महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम** का **दिनांक 10.03.2023** को महाविद्यालय मे आयोजन किया गया।

उद्बोधनः– एडवोकेट श्री पद्म सिंह जी देथा।

विषय :– " महिला और कानून"

1. हमारे जीवन मे कभी ना कभी आपराधिक प्रवृति की मानसिकता वाले व्यक्ति से सामना होता ही है। इनसे सजग रहना चाहिए।
2. सोशल मीडिया अटैक
3. एसिड अटैक :– रासायनिक हमले की श्रेणी में क्यों ? 1 लव अफेयर 2 वैवाहिक जीवन मे असहमति 3 गैंगवार 4. मानसिक विक्षिप्तता।
   यह एक दण्डनीय अपराध है, भारतीय दण्ड संहिता की धारा 326 (A), 326 (B) के तहत् 10 वर्ष या अधिकतम आजीवन कारावास का प्रवाधान है।
   नव. 2013 मे उच्चतम न्यायालय ने एसिड को प्रतिबंधित किया तथा इसके लिए मानदण्ड व लाइसेसं बनाये गये है।
4. पॉक्सो एक्ट :– **गठन – 20 जून 2012**
   लागू – 14 नव. 2012

Protection of Children from Sexual Offences Act, 2012

उद्बोधन :– सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट आसींद – श्रीमती वंदना शर्मा

1. संवैधानिक महिला अधिकार : – समानता, समान काम के लिए समान वेतन, मातृत्व सहायता।
2. कानूनी महिला अधिकारी :– घरेलू हिंसा से रोकथाम अधिनियम (शारीरिक एवं मानसिक), अनैतिक व्यापार रोकथाम अधिनियम, अश्लील प्रतिनिधित्व निषेध अधिनियम, दहेज निषेध, मातृत्व लाभ अधिनियम, हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम 2005 (संपत्ति का बॅटवारा पुत्र–पुत्री मे)
3. भारतीय दण्ड संहिता की धारा 228 के तहत यदि कोई पीड़ित महिला चाहे तो उसकी पहचान गुप्त रखी जाती है।

उद्बोधन :– सहायक अभियोजक श्री राकेश जी यादव

PRINCIPAL
A.S.M.I.E...ASIND

1. व्यावहारिक रुप से कानूनी अधिकारो का उपयोग कैसे हो? I[st] F.I.R दर्ज लिखित अथवा II[nd] मौखिक रुप में संबंधित S.P से III[rd] संबंधित न्यायालय मे।
2. 15 वर्ष से कम – 65 वर्ष से अधिक आयु के मानसिक रोगी की शिकायत घर मे ही दर्ज की जाती है।

शिक्षा पद्धति मे नैतिकता का विकास हो जिससे आपराधिक प्रवृत्ति की मानसिकता कम हो सकती हैं।

PRINCIPAL
A.S.M.I.E..ASIND

दिनांक -10/03/23

प्रेस – नोट

ASMIE में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण दिल्ली एवं राष्ट्रीय महिला आयोग द्वारा आयोजित 'अंतराष्ट्रीय महिला सप्ताह '(4 मार्च to 11 मार्च) कार्यक्रम के अन्तर्गत दिनांक 10/03/23 को महाविद्यालय में आयोजन किया गया | कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट आसीन्द – श्रीमती वंदना शर्मा की गौरवमयी उपस्तिथि रही | साथ ही अन्य अतिथिगण एडवोकेट श्री पद्म सिंह जी देथा एवं सहायक लोक अभियोजक श्री राकेश जी यादव भी उपस्तिथ थे | कार्यक्रम की शुरुआत में मंच संचालन करते हुए महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापिका सुश्री अमृता आंचलिया ने 'राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA) तथा राष्ट्रीय महिला आयोग (NCW) के गठन एवं कार्यप्रणाली से संबंधित आधारभूत तथ्यो के विषय में बताया | श्री पद्म सिंह जी देथा ने अपने उद्बोधन में एसिड अटैक एवं पॉक्सो एक्ट से संबंधित महत्वपूर्ण प्रावधानों के विषय में जानकारी दी | न्यायाधीश महोदया ने नारी के उत्थान में कानून की भूमिका को स्पष्ट किया तथा महिलाओ के हितो के संरक्षण हेतु लागू अनेक अधिनियमों से सभा को परिचित कराया | श्री राकेश जी यादव ने अपने उद्बोधन में यह बताया की व्यावहारिक रूप से क़ानूनी अधिकारों का प्रयोग किस प्रकार किया जा सकता है ? कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के प्राचार्य महोदय डॉ. संकर्षण पण्डा ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए महाविद्यालय के विद्यार्थियों को न्यायालय की प्रक्रिया के प्रत्यक्ष अनुभव के लिए न्यायालय के भ्रमण की इच्छा प्रकट की तत्पश्चात राष्ट्रगान द्वारा कार्यक्रम का समापन किया गया |

PRINCIPAL
A.S.M.I.E.,ASIND

ACHARYA SHRI MAHAPRAGYA INSTITUTE OF EXCELLENCE
ASIND

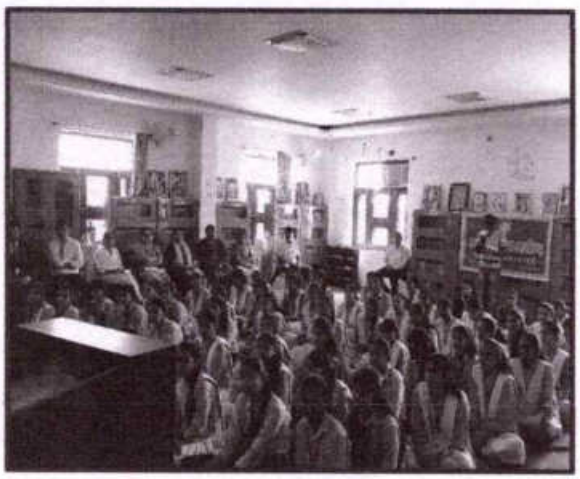

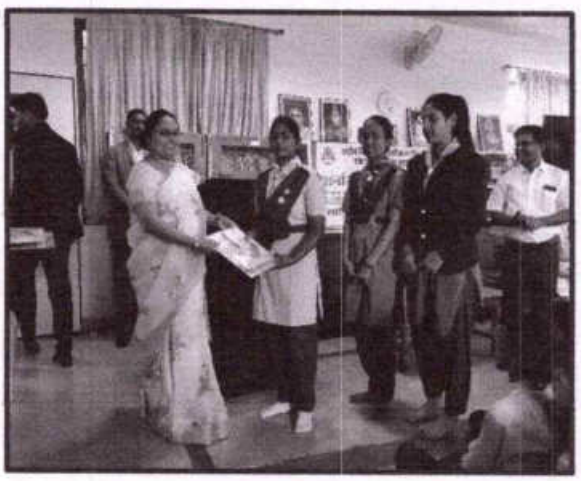

PRINCIPAL
A.S.M.I.E..ASIND

Acharya Shri Mahapragya Institute of Excellence

Affiliated to MDS University, Ajmer, Recognized by NCTE, New Delhi & Govt. of Rajasthan)
Mahapragya Nagar, Asind 311301 Distt. Bhilwara(Raj.)

Multidisciplinary One Day National Conference on

ROLE OF DIGITAL LEARNING SYSTEM IN SOCIAL, POLITICAL, ECONOMIC AND EDUCATIONAL DEVELOPMENT IN INDIA

Link to Register: https://bit.ly/3SCH6iA

March 18,2023 | **09:00 AM ONWARDS** | **ASMIE CAMPUS**

70149 37032, 98296 25844 Website: www.asmie.in Email: asmie2012@gmail.com

MDNC - 2023

A.S.M.I.E में I.Q.A.C द्वारा आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत " **भारत के सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक एवं शैक्षिक विकास मे डिजिटल लर्निंग सिस्टम की भूमिका** " विषय रखा गया था। सभी वक्ताओं द्वारा प्रस्तुत विचार निम्न है।

कार्यक्रम की शुरुवात में मंच संचालन करते हुए महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापिका सुश्री अमृता आंचलिया ने महाविद्यालय का परिचय दिया जिसके उपरान्त –

1. **विशिष्ट अतिथि महोदय – डॉ. अशोक चौधरी सर**
   वर्तमान मे डिजिटल लर्निंग गुरु के समान होता हैं। विद्यार्थियों को सम्मेलन मे हिस्सा लेना चाहिए। इस प्रकार के कार्यक्रम से कुछ नया सीखने को मिलता है। जिससे हमारा जीवन के प्रति दृष्टिकोण स्पष्ट होता है।
2. **C.A श्री दिनेश आगाल सर (ICAI चेयरमेन, भीलवाड़ा)**
   कोविड की कठिन परिस्थिति मे डिजिटल लर्निंग का बहुत महत्व रहा जिससे शिक्षण स्थागित हुए बिना सुचारु रूप से चलता रहा ।
3. **डॉ. राकेश भण्डारी (रिसर्च डीन, संगम वि.वि)**
   शिक्षक को डिजिटल लर्निंग कार्यप्रणाली के उपयोग को समझ कर उसे प्रयोग मे लाना चाहिए। क्योकि वर्तमान मे तकनीक आधारित शिक्षण से ही विद्यार्थियों की सकिय सहभागिता मे वृद्धि होती है।
4. **डॉ जसवत सिंह – (प्राचार्य विद्या कॉलेज, भीलवाड़ा)**
   वर्तमान समाज के समाज के सामाजिक,आर्थिक,राजनैतिक सभी क्षेत्रो मे डिजिटल लर्निंग का महत्व हैं। आज के सम्मेलन का शीर्षक वर्तमान मे प्रासंगिक है।
5. **निदेशक महोदय (C.S आर.के.जैन)** :– बेहद हर्ष की बात है कि आसींद जैसे छोटे कस्बे मे राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। आज का भारत डिजिटल भारत हैं। भारत मे समय के साथ तकनीकी मे अनेक परिवर्तन हुए हैं। इस बदलाव के परिणामस्वरुप आज यह देखा जा सकता है कि प्रत्येक दुकानदार ,व्यवसायी डिजिटल पैमेट को स्वीकार करते है।
6. **डॉ जसवंत सिहं (प्राचार्य विद्या कॉलेज, भीलवाड़ा)**
   वर्तमान समाज के सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक सभी क्षैत्रो मे डिजिटल लर्निंग का महत्व है। आज के सम्मेलन का शीर्षक वर्तमान में प्रासंगिक है।
7. **डॉ अवनीत कुमार** :– रिसर्च की शुरुवात तीन प्रश्नो क्या, क्यो, कैसे से होती है। फिर इसकी कार्यप्रणाली को समझ कर रिसर्च के उपरांत इस बात पर विचार करे कि यह समाज के लिए प्रयोग करने योग्य है अथवा नही। रिसर्च किसी नये विषय पर होना चाहिए। पहले से हो चुके रिसर्च को केवल कार्यप्रणाली सीखने के तौर पर देखे।
8. **C.A श्री अजय नौलखा (ICAI चेयरमेन भीलवाड़ा):-** इस शीर्षक में Social, Political, Economic, Educational, Development शब्द है, जब हम इनका लघुरुप करते है तो

PRINCIPAL
A.S.M.I.E..ASIND

बनता है – SPEED यह असल मे आपके जीवन के इन सभी क्षेत्रो के साथ आपकी प्रोफेसनल लाइफ मे स्पीड देने का काम करेंगे। डिजिटल लर्निंग के माध्यम से आज आप U.S के व्याख्यता I.I.M के लेक्चर और किसी भी पाठ्यक्रम को पूर्ण कर प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकते हो।

9. **डॉ विकास सोमानी (डिप्टी डीन संगम वि.वि):-** आज हम सोचते है कि हम आसीन्द जैसे छोटे कस्बे में रहते है लेकिन डिजिटल लर्निंग के माध्यम से MOOCS, MPTL के पोर्टल में I.I.T के प्रोफेसर से शिक्षण ले सकते है। रिसर्च पेपर लिखने की शुरुवात लेख लिखने से करनी चाहिए। जिससे सोच विकसित होती है और रिसर्च पेपर लिखने मे सहायक मिलती है।
10. **डॉ गुणमाला गुगलिया** :– डिजिटल लर्निंग के दो पहलू होते है– सकारात्मक एवं नकारात्मक हमे सकारात्मक पहलू को अपनाना है। हम जिस समाज मे रहते है उसके समाधान के लिए विद्यार्थी आज अपनी नई सोच विकसित करके सामने बाये जिससे विकास मे सहयोग हो। वर्तमान में यही रिसर्च है।
11. **डॉ सुमित कच्छारा (एसोसिएट प्रोफेसर कॉलेज भीलवाड़ा)** वर्तमान मे डिजिटल लर्निंग का महत्व कई गुणा बढ़ गया है। भविष्य में भी डिजिटल लर्निंग की उपादेयता अत्यधिक तीव्रता के साथ लोगो तक पहुँचा सकता हैं। हमारा सिद्धांत यह होना चाहिए कि हम इसे समझे और उपयोग करे। तभी डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिये इंटरनेशनल लर्निंग को गॉव–गॉव तक पहुँचाना संभव है। समाज के विकास मे शिक्षा और अर्थव्यवस्था परस्पर पूरक होती है क्योकि शैक्षिक विकास ही आर्थिक विकास का आधार है। डिजिटल प्लेटफॉर्म – वीडियोस,पोडकास्ट, शोधगंगा, डिजिटल लाइब्रेरी आदि के माध्यम से किसी भी समय किसी भी स्थान पर विविध विषयों का ज्ञानार्जन किया जा सकता हैं। आजकल तकनीकी के उपयोग मे अनेक बदलाव हो रहा हैं, पर हमारा नजरिया सकारात्मक होना चाहिऍं।
12. **डॉ. उषा आमेटा** (अरावली T.T कॉलेज, उदयपुर) अधिगम प्रकिया को डिजिटल लर्निंग से प्रभावी बनाया जा सकता है। आकर्षण से अधिगम का प्रारम्भ होता है। शिक्षक का व्यक्तित्व और डिजिटल संसाधनो का प्रयोग विद्यार्थियों की जिज्ञासाओ को पूर्णतः शांत करने मे सक्षम होते है। इसके माध्यम से विद्यार्थी रुचिपूर्वक अधिगम प्रकिया में संलग्न रहते है। डिजिटल लर्निंग से ही विद्यार्थी सृजनात्मक बनते हैं।
13. **इंजिनियर गजानंद बोहरा** :– डिजिटल लर्निंग की पहुँच ग्रामीण व शहरी दोनो क्षेत्रो मे है। सामाजिक भिन्नता और आर्थिक भिन्नता को परे रखकर डिजिटल लर्निंग के माध्यम से सभी की समान पहुँच बनाई जा सकती है। संसाधनो और आधारभूत सुविधाओं की असमानता मे शिक्षा को समानता के आधार पर सुलभ कराया जा सकता हैं।

PRINCIPAL
A.S.M...ASIND

ASIND

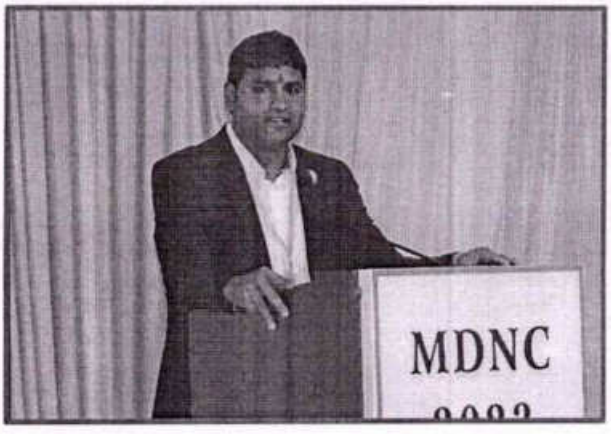

PRINCIPAL
A.S.M.I.E..ASIND

PRINCIPAL
A.S.M.I.E..ASIND

में हवन किया। फाग उत्सव में महिलाओं ने गीत गाए। भगवान को छप्पन भोग धराया। शाम को महाआरती कर प्रसाद वितरित किया।

यात्रा, शिव दरबार झांकी, 1100 केसरिया रणबांकुरे महापुरुषों की झांकियां, अश्वरोही, देव दुर्लभ जीवंत झांकियां, अखाड़े आदि कार्यक्रम होंगे।

कॉन्फ्रेंस में डिजीटल लर्निंग की भूमिका पर चर्चा

भास्कर संवाददाता | आसींद

आचार्य महाप्रज्ञ इंस्टीट्यूट ऑफ एक्सीलेंस में कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जिसमें संगम विश्वविद्यालय के रिसर्च डीन डॉ. राकेश भंडारी, आईसीएआई चेयरमैन सीए दिनेश आगाल भीलवाड़ा, आलोक सोमानी, माधव यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर सुमित माथुर, सीएस राजेंद्रसिंह जैन, रोशनलाल संचेती अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। कॉन्फ्रेंस में भारत के राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षिक विकास में डिजिटल लर्निंग सिस्टम की भूमिका विषय पर विद्या कॉलेज भीलवाड़ा के प्राचार्य जसवंतसिंह चौहान, संगम विश्वविद्यालय के डिप्टी डीन डॉ. विकास सोमानी, आइसीएसआई भीलवाड़ा चेयरमैन सीए अजय नौलखा, डॉ. गुणमाला गुगलिया, इंजीनियर गजानंद बोहरा, एमएलवी कॉलेज के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुमित कच्छारा, अरावली टीटी कॉलेज उदयपुर की डॉ. उषा आमेटा, सेवानिवृत्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी संपतलाल टेलर ने विचार व्यक्त किए। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. संकर्षण पंडा ने परिचय प्रस्तुत किया, समन्वयक डॉ. दीपक कुमार चौधरी ने सत्र का संक्षेपण प्रस्तुत किया। कॉन्फ्रेंस के सह-समन्वयक राहुलसिंह व सचिव अवनिंद्र वासुकी व्यास ने बताया कि वक्ताओं द्वारा प्रस्तुत ज्ञानात्मक वार्ताएं सभी सहभागियों के लिए उपयोगी सिद्ध होगी। कार्यक्रम का संचालन अमृता आंचलिया ने किया। बीएड विभागाध्यक्ष कन्हैयालाल टेलर ने आभार जताया।

राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस की तैयारी बैठक संपन्न

भास्कर संवाददाता | आसींद

आसींद राष्ट्रीय कांफ्रेंस को लेकर बैठक

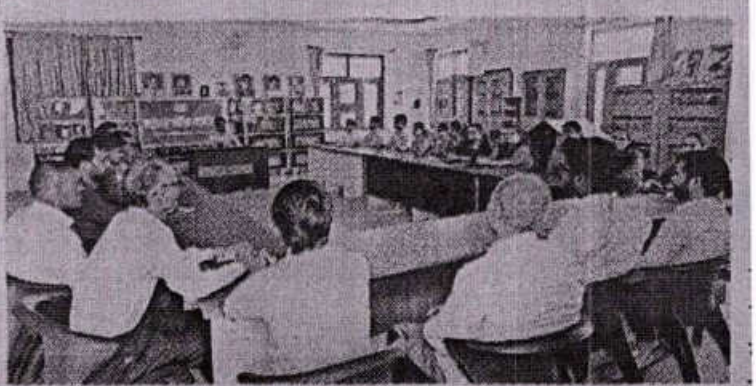

आचार्य महाप्रज्ञ इंस्टीट्यूट ऑफ एक्सीलेंस में 18 मार्च को होने वाली एक दिवसीय राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस की पूर्व तैयारी एवं व्यवस्था के लिए बैठक आयोजित की गयी। प्राचार्य डॉ. संकर्षण पंडा ने बताया कि कार्यशाला का विषय भारत के सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक एवं शैक्षिक विकास में डिजीटल लर्निंग सिस्टम की भूमिका रखा गया है, जिसमें प्रदेशभर के कई महाविद्यालयों के शिक्षाविद्, रिसर्च स्कॉलर एवं विषय विशेषज्ञ विचार रखेंगे। इस कार्यशाला में प्रदेश के साथ ही गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश के शोधकर्ता शिक्षाविद सहभागिता करेंगे। कार्यशाला के समन्वयक डॉ. दीपक चौधरी ने बताया कि वर्तमान समय में सभी क्षेत्रों में डिजीटल लर्निंग सिस्टम की भूमिका को लेकर नित नए आयाम स्थापित हो रहे है। कॉन्फ्रेंस में वर्तमान समय में डिजिटल लर्निंग की व्यापक संभावनाओं व विभिन्न दृष्टिकोणों से विचार मंथन किया जाएगा। बैठक में आगंतुक अतिथियों एवं सहभागी वक्ताओं, श्रोताओं के स्वागत, बैठक व्यवस्था, मंच व्यवस्था, जलपान, ऑनलाइन प्रसारण आदि व्यस्थाओं के लिए समितियों का गठन कर उत्तरदायित्व निर्धारण किया गया। बैठक में सहसमन्वयक अवनिन्द्र वासुकी व्यास, कन्हैयालाल टेलर, नाथूलाल सैन, राधेश्याम वैष्णव मौजूद थे।

Principal
ACHARYA SHRI MAHAPRAGYA
INSTITUTE OF EXCELLENCE
ASIND(BHILWARA) RAJ.

दिनांक : 29.03.2023

प्रेस नोट

आचार्य श्री महाप्रज्ञ इंस्टिट्यूट ऑफ़ एक्सीलेंस आसींद में एक दिवसीय उद्यमिता व स्वरोजगार कार्यशाला का आयोजन

आचार्य श्री महाप्रज्ञ इंस्टिट्यूट ऑफ़ एक्सीलेंस आसीन्द में एक दिवसीय उद्यमिता व स्वरोजगार कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम लघु भारती भीलवाड़ा के तत्वाधान में आयोजित किया गया जिसमे मुख्य अतिथि युवा उद्यमी भरत जी सेतुरिया ने उद्योग कैसे किया जाना चाहिए व रोजगार उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में वार्ता प्रस्तुत की, विशिष्ठ अतिथि उद्योगपति बालु लाल जी दुग्गड़ ने छोटे स्तर से व्यापर आरंभ कर उसे कैसे बड़े स्तर तक बढ़ाया जाये विषय पर बताया व मुख्य वक्ता आसीन्द खनिज उद्योग संघ के अध्यक्ष गोपाल सिंह जी चुण्डावत ने विभिन्न उद्योगपतियों की जीवनी व उसके अध्ययन के बारे में विद्यार्थियों को संबोधित किया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. संकर्षण पंडा ने अतिथियों का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी सह आचार्य एवं बीए बीए व बी एससी बीएड के विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सह आचार्य पंकज कुमार कुमावत ने किया व राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

PRINCIPAL
A.S.M.I.E..ASIND

महाप्रज्ञ कॉलेज में नशामुक्ति पर कार्यशाला आयोजित

आसीन्द , 24 अप्रैल । महाप्रज्ञ कॉलेज, आसींद में आज संगम विश्वविद्यालय तथा आरम्भ सेवा संस्थान के संयुक्त तत्त्वावधान में 'नशामुक्त भारत' विषय पर कार्यशाला आयोजित हुई । कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संकर्षण पंडा ने भारतीय समाज में नशे की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता व्यक्त की और इसे राष्ट्र की प्रगति के मार्ग में बड़ा अवरोध बताया । उन्होंने विद्यार्थियों को इसे चुनौती मानकर जनजागृति के लिए आगे आने हेतु आहवान किया । कार्यशाला के मुख्य अतिथि एवं आरम्भ सेवा संस्थान के निदेशक विशाल खण्डेलवाल तथा प्रायोजक संगम विश्वविद्यालय में कौशल एवं उद्यमिता विकास विभाग के प्रभारी डॉ. मनोज कुमावत का महाविद्यालय की और से स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया गया । कार्यशाला को संबोधित करते हुए विशाल खण्डेलवाल ने नशे को एक सीखा हुआ व्यवहार बताया और कहा कि "यह एक मानसिक बीमारी है जिसका इलाज संभव है । उन्होंने नशे के दुष्चक्र में फँसने के विविध कारणों व परिणामों पर प्रकाश डालते हुए इस प्रवृत्ति से बचाव के उपाय बताए । इस अवसर पर लघु-फिल्म एवं संवाद-सूत्र आदि सत्रों का आयोजन किया गया ।

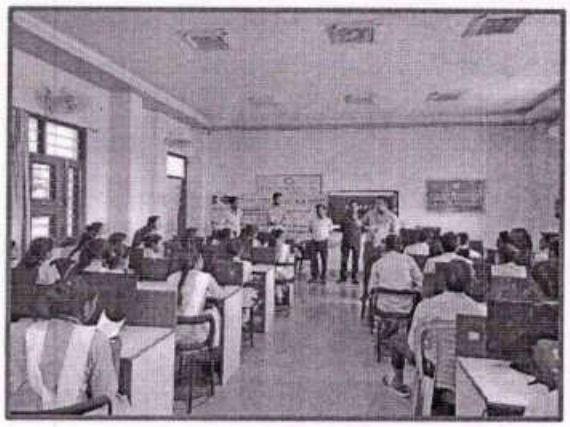

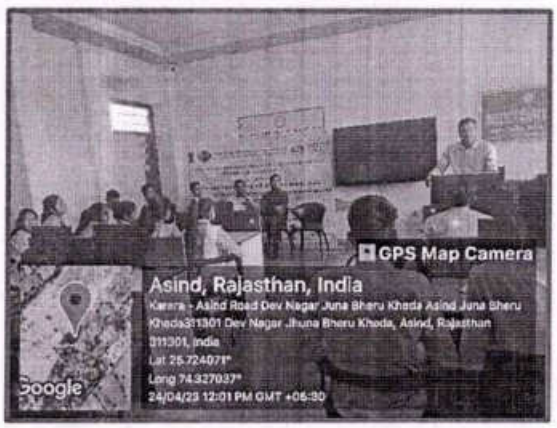

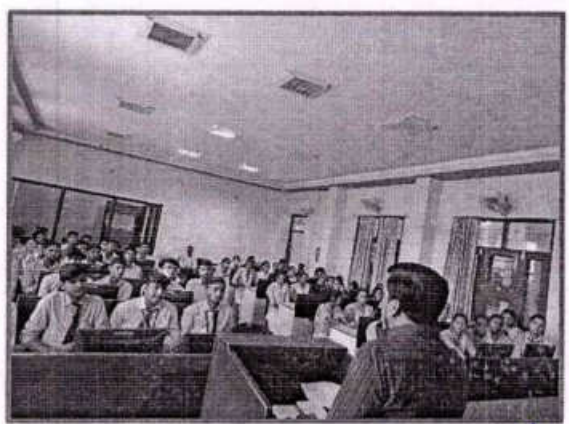

PRINCIPAL
A.S.M.I.E..ASIND

दिनांकः14.05.2023

(प्रेस-सूचना)

महाप्रज्ञ कॉलेज में शिक्षण कौशल एवं अभिनव तकनीक कार्यशाला संपन्न

आसीन्द , 14 मई। महाप्रज्ञ कॉलेज, आसींद में आज शिक्षण कौशल एवं अभिनव तकनीक कार्यशाला आयोजित हुई। इसकी मुख्य थीम 'रुचिकर शिक्षण : अवधारणा एवं कौशल' रही। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए विद्या कॉलेज भीलवाड़ा के प्राचार्य डॉ. जसवंतसिंह चौहान ने शिक्षण कौशलों के समुचित प्रयोग को शिक्षकों के लिए अनिवार्य बताया। मुख्य अतिथि आसींद के मुख्य ब्लाक शिक्षा अधिकारी लोकेश चन्द्र नागला थे। पूर्व मुख्य ब्लाक शिक्षा अधिकारी संपत लाल टेलर ने बताया कि शिक्षार्थी ही शिक्षक का सच्चा मूल्यांकन करता है ; अतः उसकी अपेक्षाओं पर खरा उतरना सभी शिक्षकों का नैतिक दायित्व है। इस अवसर पर निर्दोष जोशी, कन्हैया लाल टेलर, कमला रावत आदि वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संकर्षण पंडा ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए इस आयोजन को शैक्षणिक सुधारों की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। समन्वयक राहुल सिंह सोलंकी ने बताया कि कार्यशाला में 248 प्रतिभागी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम संचालन पंकज कुमावत ने किया।

PRINCIPAL
A.S.M.I.E..ASIND

ACHARYA SHRI MAHAPRAGYA INSTITUTE OF EXCELLENCE
ASIND

PRINCIPAL
A.S.M.I.E..ASIND